भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

01.04.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 6098 का उत्तर

तालचेर-गोपालपुर के मध्य रेलवे परियोजना

6098. श्री रुद्र नारायण पाणी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार इस तथ्य से अवगत है कि बंगाल की खाड़ी में तालचेर (कोयला उत्पादक शहर) से गोपालपुर (पत्तन शहर) के मध्य एक रेल परियोजना लंबे समय से लंबित है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इस परियोजना को पूरा करने हेतु सरकार द्वारा क्या प्रभावी कदम उठाए जाने की संभावना है; और

(ग) क्या हिंडोल के रास्ते तालचेर (कोयला उत्पादक शहर) से गोपालपुर (पत्तन शहर) तक के प्रस्ताव पर सरकार द्वारा पुनर्विचार किए जाने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): तालचेर पहले से ही मौजूदा रेल नेटवर्क पर हिन्डोल रोड, राज आठगढ़, भुवनेश्वर, खुर्दा रोड के रास्ते जगन्नाथपुर (गोपालपुर) से जुड़ा हुआ है। बहरहाल, संपर्कता को और संवर्धित करने के लिए निम्नलिखित कार्य/सर्वेक्षण शुरु किए गए हैं:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	स्थिति
1.	रजतगढ़ के रास्ते बुढ़ापंक-सालेगाँव तीसरी और चौथी लाइन (85 कि.मी.)	57 किमी कमीशन किया गया है। शेष खंडों में कार्य शुरू कर दिया गया है।

2.	निर्गुण्डी-विजयनगरम तीसरी लाइन (385 कि.मी.)	कार्य शुरू कर दिया गया है।
3.	भुवनेश्वर और खुर्दा रोड को पार करते हुए राजआठगढ़ - काईपदर रोड नई लाइन (93 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है
4.	हरिदासपुर जंक्शन से नेरगुंडी जंक्शन तक और कटक जंक्शन से विजयनगरम जंक्शन तक चौथी लाइन (440 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है
5.	अंगुल - हिंडोल - नयागड नई रेल लाइन (120 कि.मी.)	अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण को स्वीकृति प्रदान की गई
6.	तालचेर-गोपालपुर नई लाइन (282 कि.मी.)	अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण को स्वीकृति प्रदान की गई

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के पश्चात, परियोजना की स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और आवश्यक अनुमोदन जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि के समीक्षा की आवश्यकता होती है। चूंकि परियोजनाओं की स्वीकृति एक निरंतर और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए सटीक समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है।

<u>ओडिशा</u>

रेल बजट:

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ओडिशा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹ 838 करोड़/वर्ष
2025-26	₹ 10,599 करोड़ (लगभग 13 गुना)

रेलपथ निर्माण:

वर्ष 2009-14 और 2014-25 के दौरान ओडिशा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथों की कमीशनिंग/बिछाने के कार्य का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किया गया नया रेलपथ	प्रति वर्ष नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	267 कि.मी.	53 कि.मी.
2014-25	2,150 कि.मी.	195 कि.मी. (3.5 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, ओडिशा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 67,496 करोड़ रुपए की लागत से 4,010 कि.मी. कुल लंबाई की 49 परियोजनाएं (19 नई लाइनें और 30 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से 1,429 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2025 तक ₹28,043 करोड़ का व्यय उपगत किया गया है। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक किया गया कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	19	1,544	256	6,270
दोहरीकरण/बहुपथन	30	2,466	1,173	21,773
कुल	49	4,010	1,429	28,043

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

ओडिशा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1	दैतारी-बांशपानी नई लाइन और जखपुरा-हरिदासपुर तीसरी लाइन (179 कि.मी.)	1,317
2	झारसुगुडा से एमसीएल साइडिंग- सरडेगा नई लाइन (53 कि.मी.)	1,598
3	हरिदासपुर-पारादीप नई लाइन (82 कि.मी.)	2,397
4	अनुगुल-सुकिन्दा नई लाइन (104 कि.मी.)	2,834
5	चंपा-झारसुगुडा तीसरी लाइन (152 कि.मी.)	1,227
6	संबलपुर-टिटिलागढ़ दोहरीकरण (182 कि.मी.)	2,262
7	राउरकेला-झारसुगुडा तीसरी लाइन (101 कि.मी.)	1,313
8	बांशपानी-दैतारी-टमका-जखपुरा दोहरीकरण (164 कि.मी.)	1,827
9	संबलपुर-तालचेर दोहरीकरण (174 कि.मी.)	1,539
10	रायपुर-टिटिलागढ़ दोहरीकरण (203 कि.मी.)	1,171
11	झारसुगुडा-सरडेगा दोहरीकरण (50 कि.मी.)	3,200

चालू परियोजनाएं:

इसके अलावा, ओडिशा राज्य में पूर्णतः या अंशतः पड़ने वाली शुरू की गई कुछ प्रमुख परियोजनाएं इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कुल लागत (करोड़ रु. में)
1	जुनागढ़-नबरंगपुर नई लाइन (116 कि.मी.)	2,865
2	नवरंगपुर-जयपुर नई लाइन (41 कि.मी.)	748
3	जयपुर-मल्कानगिरी नई लाइन (130 कि.मी.)	2,344
4	मल्कानगिरी-पांडुरंगापुरम नई लाइन (174 कि.मी.)	3,592
5	बुढ़ामरा-चाकुलिया न्यू लाइन (60 कि.मी.)	1459
6	गुनुपुर-थरूबाली नई लाइन (74 कि.मी.)	1,166
7	पुरी-कोणार्क नई लाइन (32 कि.मी.)	492
8	बदामपहाड़-केन्दुझरगढ़ नई लाइन (82 कि.मी.)	1,876
9.	बांगिरिपोषी-गोरुमाहिषानी नई लाइन (86 कि.मी.)	2,269
10	बरगढ़ रोड-नुआपड़ा रोड नई लाइन (138 कि.मी.)	2,622
11	विजयनगरम-टिटिलागढ़ तीसरी लाइन (265 कि.मी.)	6,996
12	तालचेर में फ्लाईओवर सहित जरापदा-बुढ़ापंक तीसरी और चौथी लाइन (101 कि.मी.)	810
13	रजतगढ़ के रास्ते बुढ़ापंक-सालेगाँव तीसरी और चौथी लाइन (170 कि.मी.)	2,023
14	निर्गुण्डी-विजयनगरम तीसरी लाइन (385 कि.मी.)	4,963
15	कोत्तवलसा-कोरापुट दोहरीकरण (189 कि.मी.)	2,500
16	कोरापुट-सिंगापूर रोड़ सड़क दोहरीकरण (165 कि.मी.)	2,362
17	जगदलपुर-कोरापुट दोहरीकरण (107 कि.मी.)	1,547
18	झारसुगुड़ा-बिलासपुर चौथी लाइन (206 कि.मी.)	2,596
19	बन्डामुन्डा-रांची दोहरीकरण (159 कि.मी.)	3,029
20	नारायणगढ़-भद्रक तीसरी लाइन (153 कि.मी.)	2,136
21	भद्रक-निर्गुण्डि तीसरी लाइन (92 कि.मी.)	1,284

पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष अर्थात् 2025-26 के दौरान ओडिशा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले कुल 5,436 किलोमीटर लंबाई वाले कुल 79 अदद सर्वेक्षणों (31 नई लाइन, 48 दोहरीकरण) को स्वीकृति प्रदान की गई है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **प्रत्याशित यातायात अनुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता**
- **परियोजना द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली आरंभिक और अंतिम छोर संपर्कता**
- **मिसिंग लिंकों का संयोजन और वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराना**
- **संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्द्धन**
- **राज्य सरकारों/केन्द्रीय मंत्रालयों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगें**
- **रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं**
- **सामाजिक-आर्थिक महत्व**
- **निधियों की समग्र उपलब्धता**

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जो निम्नानुसार हैं:

- **भूमि अधिग्रहण**
- **वन संबंधी मंजूरी**
- **बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां**
- **क्षेत्र की भू-वैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियां**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना विशेष के स्थल के लिए किसी वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या आदि**

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

*****